Shri Prem Chand Verma (Hamirpur) : I would like to know whether Government will accord all the facilities given to regular personnel to the I. N. A. Soldiers who have been absorbed in the Indian army. Will the Government take any concrete steps to provide employment to the former I.N.A. personnel ?

श्री स० कुण्डू (बालासौर) : नेताजी सबसे महान नेता थे जिन्हें इस देश ने तथा कांग्रेस दल ने उचित राष्ट्रीय सम्मान नहीं दिया है। इस बात का निर्णय करने के लिये कि नेताजी सुभाष चन्द्र बोस को किस प्रकार का राष्ट्रीय सम्मान दिया जाये, एक राष्ट्रीय समिति नियुक्त करने के बारे में क्या सरकार एक संकल्प पारित करेगी ?

[**अध्यक्ष महोदय पीठासीन हुए**
Mr. Speaker in the Chair]

प्रतिरक्षा मंत्री (श्री स्वर्ण सिंह) : मैं माननीय सदस्यों की भावनाओं का आदर करता हूं और इन भावनाओं के सम्मान में ही सरकार ने भूतपूर्व आजाद हिन्द फौज के सैनिकों को उनके जब्त किये गये वेतन तथा भत्ते देने का निर्णय किया था तथा पिछले निर्णय रद्द कर दिये थे। इस आधा घंटे की चर्चा का आधार मेरा वह उत्तर हैं जो मैंने जून मास में दिया था। मैंने उसके पश्चात् कहा था कि हमने पुराने निर्णय बदल दिये हैं तथा भूतपूर्व आई० एन० ए० के लोगों के सारे वेतन तथा भत्ते उन्हें देने स्वीकार कर लिए हैं तथा जो राशि उनकी पहले ब्रिटिश सरकार ने जब्त कर ली थी वह भी वापिस कर दी जायेगी।

कांग्रेस दल को नेताजी की सेना के बारे में बदनाम करना उचित नहीं है। कांग्रेस दल ने ही शाहनवाज खां को केन्द्र में उप-मंत्री बनाया था तथा अन्य जनरलों को भी ऊंचे पद दिए थे जैसे कि जनरल मोहन सिंह तथा भौंसले आदि को ऊंचे पद दिए थे।

यह सच है कि ब्रिटिश सरकार ने निर्णय किया था कि नेताजी की सेना के कुछ अधिकारियों को रखा जाये तथा अन्यों को निकाला जाए। परन्तु हमने वह सारे मामले समाप्त कर दिये।

हम सारा धन अभी इस कारण वहीं दे सकते क्योंकि सरकार के पास राशि की तंगी है।

यह सुझाव दिया गया है कि कुछ संस्थाओं का नाम नेताजी के नाम पर रखा जाये। हम इस सुझाव पर विचार करेंगे। जो त्याग नेताजी ने किया हम उसका आदर करते हैं तथा उनसे प्रेरणा लेते हैं और लेते रहेंगे।

साम्प्रदायिक सौहार्द के बारे में वक्तव्य
STATEMENT RE : COMMUNAL HARMONY

प्रधान मंत्री, अणु-शक्ति मंत्री, योजना मंत्री तथा वैदेशिक-कार्य मंत्री (श्रीमती इन्दिरा गांधी) : अध्यक्ष महोद देश के कुछ भागों में जो साम्प्रदायिक दंगे हुए, उससे हम सबको धक्क पहुंचा है।

धर्मनिरपेक्षता तथा लोकतन्त्र इस देश के दो बड़े स्तंभ रहे हैं और विभिन्न धर्मों के लोग यहां बहुत काल से शान्ति से रहे है। इन हाल के दंगों में भी देश के अधिकांश लोग तो शान्ति से ही रहे हैं। इन दंगों से हम सब दुःखी हैं।

सरकार ने इन दंगों की जांच करने के लिये एक आयोग नियुक्त किया है।

मैं सब दलों के नेताओं से अपील कर रही हूं कि हम सब मिलकर देश की एकता के लिये कार्य करें।

अध्यक्ष महोदय : इस विषय पर कोई चर्चा नहीं होगी। मुझे विश्वास है कि एकमत से साम्प्रदायिक दंगों की जो भर्त्सना हुई है उसके कारण अब आगे खून नहीं बहाया जायेगा।

अब हम पश्चिमी बंगाल के बारे में प्रस्ताव पर चर्चा करेंगे।

पश्चिमी बंगाल में राष्ट्रपति शासन व मध्यावधि चुनाव के बारे में प्रस्ताव

MOTION RE. PRESIDENT'S RULE AND MID-TERM ELECTIONS IN WEST BENGAL

श्री पी० राममूर्ति (मदुरै) : मैं प्रस्ताव करता हूं :

"कि इस बात को देखते हुए कि पश्चिमी बंगाल में विधि का शासन नहीं हैं, यह सभा सिफारिश करती है कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 356 (1) के अन्तर्गत राष्ट्रपति को पश्चिमी बंगाल राज्य की सरकार के सभी कृत्य स्वयं संभाल लेने चाहिए और विधान सभा के लिये शीघ्र और नये चुनावों की व्यवस्था करनी चाहिए।"

अध्यक्ष महोदय : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ :

"कि इस बात को देखते हुए कि पश्चिमी बंगाल में विधि का शासन नहीं है, यह सभा सिफारिश करती है कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 356 (1) के अन्तर्गत राष्ट्रिपति को पश्चिमी बंगाल राज्य की सरकार के सभी कृत्य स्वयं संभाल लेने चाहिए और विधान सभा के लिये शीघ्र और नये चुनावों की व्यवस्था करनी चाहिए।"

श्री पी० राममूर्ति (मदुरै) : केन्द्रीय सरकार ने संयुक्त दल की सरकार का तख्ता उलट दिया है तथा वहां डा० घोष की सरकार को स्थापित कर दिया है। पश्चिमी बंगाल में आज पुलिस का राज्य है और वह पागलों की भांति कार्य कर रही है।

कलकत्ता में 80,000 पुलिस वाले सारे राज्य से बुला लिये गए है तथा 26,000–27,000 हजार रिजर्व पुलिस के लोगों को एकत्रित कर दिया है। वहां की परिस्थितियों को देखकर ओ' डायर के समय की याद ताजा होती है।

कांग्रेस के ही समाचारपत्रों ने जो वहां हो रहा है उसकी निन्दा की है। अमृत बाजार पत्रिका तथा स्टेट्समैन समाचारपत्रों ने वहां की सरकार की निन्दा की है। पुलिस वालों ने समा-